सफलता की मंजिल तक पहुंचने के लिए धैर्य जरूरी

सैफई | हिन्दुस्तान संवाद

उ.प्र. आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के इक्जामिनेशन हॉल में साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स-2021 का आयोजन सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुए किया गया। कार्यक्रम में कोविड19 में यूनिवर्सिटी की ओर से किए गए कामों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यवक्ता के रूप में बोलते हुए कुलपति प्रो. राजकुमार ने कहा कि जीवन में सफलता की मंजिल तक पहुंचने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है। एक चिकित्सक में इस गुण का होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से कोविड-19 जैसी चुनौती से लड़ने में पूरे देश ने बेहद धैर्य का परिचय दिया। विश्वविद्यालय ने कोराना वायरस (कोविड-19) पर लिखी कोविडोलाजी सम्भवत विश्व की पहली ऐसी पुस्तक रही जिसमें कोविड-19 के समस्त पहलुओं को समाहित किया गया।

इसमें चिकित्सकीय अनुभव के साथ गहन शोध के आधार पर प्रमाणिक लेख समाहित हैं। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक से भारत सहित पूरे विश्व को कोरोना वायरस से लड़ाई में व्यापक

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति डा.राज कुमार।

मदद एवं मार्गदर्शन दिया। कोविड मरीजों के इलाज पर आधारित पुस्तक ''कोविडोलॉजी'' पूरी तरह टीम वर्क पर आधारित विश्व को मार्गदर्शन देने वाली पहली पुस्तक है जिसे तैयार करने में विश्वविद्यालय के फैकल्टी मेम्बर के अलावा विश्वविद्यालय प्रशासन तथा कोरोना हेल्थ वर्कर्स का सहयोग रहा। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डा. रमाकान्त यादव ने कहा कि कुलपति नेतृत्व में कोविड-19 महामारी के शुरूआत में ही विश्वविद्यालय ने कोविड संक्रमित मरीजों के लिए कोविड-19 अस्पताल शुरू कर दिया डा. सोमेन्द्र पाल सिंह, डा. कीर्ति जैसवाल, डा. राजमंगल यादव रहे।

यूपीयूएमएस में साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स-2021 का हुआ आयोजन

सैफई-इटावा।उ.प्र.आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के इक्जामिनेशन हॉल में साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स-2021 का आयोजन सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुए किया गया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.डा. राजकुमार रहे।कार्यक्रम में प्रतिकुलपति डा.रमाकान्त यादव, संकायाध्यक्ष डा.आलोक कुमार, संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण प्रकोष्ठ आलोक कुमार दीक्षित, कुलसचिव सुरेश चन्द्र शर्मा,चिकित्सा अधीक्षक डा.आदेश कुमार,अपर चिकित्सा अधीक्षक कोविड-19 डा.अनिल कुमार शर्मा,साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स-2021 के संयोजक डा. सोमेन्द्र पाल सिंह,डा.कीर्ति जैसवाल डा.राजमंगल यादव,डा.सोनिया विश्वकर्मा,फैकेल्टी मेम्बर एवं चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रो.डा. राजकुमार ने कहा कि जीवन में सफलता की मंजिल तक पहुँचने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है।एक चिकित्सक में इस गुण का होना बेहद जरूरी है।उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से कोविड-19 जैसी चुनौती से लड़ने में पूरे देश ने बेहद धैर्य का परिचय दिया।उन्होंने बताया कि इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा कोराना वायरस (कोविड-19) पर लिखी *कोविडोलॉजी* सम्भवतः विश्व की पहली ऐसी पुस्तक रही जिसमें कोविड-19 के समस्त पहलुओं को समाहित किया गया।

सफलता पाने के लिए धैर्य जरूरी

यूपीयूएमएस में साइंटिफिक स्पिरिचुअल डिस्कोर्स का आयोजन

इटावा, सैफई। उ. प्र. आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के इक्जामिनेशन हॉल में साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स का आयोजन सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुए किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डा. राजकुमार रहे। अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो. डा. राजकुमार ने कहा कि जीवन में सफलता की मंजिल तक पहुँचने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है। एक चिकित्सक में इस गुण का होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से कोविड-19 जैसी चुनौती से लड़ने में पूरे देश ने बेहद धैर्य का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा कोराना वायरस (कोविड-19) पर लिखी कोविडोलॉजी सम्भवतः विश्व की पहली ऐसी पुस्तक रही जिसमें कोविड-19 के समस्त पहलुओं को समाहित किया गया। इसमें चिकित्सकीय अनुभव के साथ गहन शोध के आधार पर प्रमाणिक लेख समाहित हैं। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक से भारत सहित पूरे विश्व को कोरोना वायरस से लड़ाई में व्यापक मदद एवं मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि कोविड मरीजों के इलाज पर आधारित पुस्तक कोविडोलॉजीद्वारा पूरी तरह टीम वर्क पर आधारित विश्व को मार्गदर्शन देने वाली पहली पुस्तक है जिसे तैयार करने में विश्वविद्यालय के फैकेल्टी मेम्बर के अलावा विश्वविद्यालय प्रशासन तथा कोरोना हेल्थ वर्कर्स का व्यापक सहयोग रहा। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डा. रमाकान्त यादव ने कहा कि कुलपति महोदय के बेहतरीन नेतृत्व में कोविड-19 महामारी के शुरूआत में ही विश्वविद्यालय ने कोविड संक्रमित मरीजों के लिए कोविड-19 अस्पताल शुरू कर दिया तथा इस दौरान विश्वविद्यालय में चल रहे रिसर्च कार्यों को भी बढ़ावा मिला। कार्यक्रम में संकायाध्यक्ष डा. आलोक कुमार, संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण प्रकोष्ठ आलोक कुमार दीक्षित, कुलसचिव सुरेश चन्द्र शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डा. आदेश कुमार, अपर चिकित्सा अधीक्षक कोविड-19 डा. अनिल कुमार शर्मा, साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स के संयोजक डा. सोमेन्द्र पाल सिंह, डा. कीर्ति जैसवाल, डा. राजमंगल यादव, डा. सोनिया विश्वकर्मा, फैकेल्टी मेम्बर व चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

एक डॉक्टर में धैर्य का होना बेहद जरूरी

कार्यक्रम को संबोधित करते मेडिकल विवि के कुलपति प्रो.डॉ. राज कुमार। संवाद

उप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में डिस्कोर्स 2021 का आयोजन

सैफई। उप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के इक्जामिनेशन हॉल में साईटिफिक स्पिरिचुअल डिस्कोर्स 2021 का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ.राजकुमार ने कहा कि जीवन में मंजिल तक पहुंचने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है। एक चिकित्सक में इस गुण का होना बेहद जरूरी होता है। पिछले एक वर्ष से कोविड जैसी चुनौती से लड़ने में पूरे देश ने बेहद धैर्य का परिचय दिया। विश्वविद्यालय द्वारा कोराना वायरस पर लिखी कोविडोलॉजी सम्भवतः विश्व की पहली ऐसी पुस्तक रही जिसमें कोविड 19 के समस्त पहलुओं को समाहित किया गया।

कार्यक्रम में प्रति कुलपति डॉ. रमाकांत यादव, संकायाध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार, संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण प्रकोष्ठ आलोक कुमार दीक्षित, कुलसचिव सुरेश चंद्र शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ.आदेश कुमार, अपर चिकित्सा अधीक्षक कोविड डॉ. अनिल कुमार शर्मा, संयोजक डॉ. सोमेंद्र पाल सिंह, डॉ. कीर्ति जायसवाल आदि रहे। (संवाद)

यूपीयूएमएस में साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स-2021 का हुआ आयोजन

चेतना कार्यालय

सैफई/इटावा। उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के इक्जामिनेशन हॉल में साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स-2021 का आयोजन सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुए किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डा0 राजकुमार रहे। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति डा0 रमाकान्त यादव, संकायाध्यक्ष डा0 आलोक कुमार, संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण प्रकोष्ठ आलोक कुमार दीक्षित कुलसचिव सुरेश चन्द्र शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डा0 आदेश कुमार, अपर चिकित्सा अधीक्षक कोविड-19 डा0 अनिल कुमार शर्मा, साइन्टिफिक स्पीरिचुअल डिस्कोर्स-2021 के संयोजक डा0 सोमेन्द्र पाल सिंह, डा0 कीर्ति जैसवाल डा0 राजमंगल यादव, डा0 सोनिया विश्वकर्मा, फैकेल्टी मेम्बर एवं चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो0 डा0 राजकुमार ने कहा कि जीवन में सफलता की मंजिल तक पहुँचने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है। एक चिकित्सक में इस गुण का होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से कोविड-19 जैसी चुनौती से लड़ने में पूरे देश ने बेहद धैर्य का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना वायरस से (कोविड-19) पर लिखी कोविडोलॉजी सम्भवतः विश्व की पहली ऐसी पुस्तक रही जिसमें कोविड-19 के समस्त पहलूओं को समाहित किया गया। इसमें चिकित्सकीय अनुभव के साथ गहन शोध के आधार पर प्रमाणिक लेख समाहित हैं। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक से भारत सहित पूरे विश्व को कोरोना वायरस से लड़ाई में व्यापक मदद एवं मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि कोविड मरीजों के इलाज पर आधारित पुस्तक कोविडोलॉजी पूरी तरह टीम वर्क पर आधारित विश्व को मार्गदर्शन देने वाली पहली पुस्तक है जिसे तैयार करने में विश्वविद्यालय के फैकेल्टी मेम्बरस के अलावा विश्वविद्यालय प्रशासन तथा कोरोना हेल्थ वर्कर्स का व्यापक सहयोग रहा। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डा0 रमाकान्त यादव ने कहा कि कुलपति महोदय के बेहतरीन नेतृत्व में कोविड-19 महामारी के शुरूआत में ही विश्वविद्यालय ने कोविड संक्रमित मरीजों के लिए कोविड-19 अस्पताल शुरू कर दिया तथा इस दौरान विश्वविद्यालय में चल रहे रिसर्च कार्यों को भी बढ़ावा मिला।

सफलता की मंजिल तक पहुँचने के लिए धैर्य बेहद जरूरी- प्रो0 राजकुमार